

पंजी में खेतिया
रोज तकरी, तहार में ताहुड़ी
बाहुदर्ज उत्तरी

सिंचाई विभाग
संस्थानीय, फिल्मों में रोज
उमा दिला तो
दृष्टि नीव



स्काईलाइन जीयो इन्फोरमैटिक्स और गवर्नमेंट कॉलेज महम में एमओयू

हरिभूमि न्यूज || महम

वीरवार को राजकीय महाविद्यालय महम और स्काईलाइन जीयो इन्फोरमैटिक्स इंस्टीट्यूट के बीच एमओयू हुआ। इसके तहत पांच साल के लिए स्काईलाइन जीयो इन्फोरमैटिक्स इंस्टीट्यूट यहां पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को 8 तरह की टेक्नोलॉजी का ज्ञान करवाएंगी। जिसके बाद वच्चों को पढ़ाई पूरी करने के बाद एक सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा। यह सर्टिफिकेट युवाओं को रोजगार दिलाने में मददगार साबित होगा। इंस्टीट्यूट के चीफ एम्जीव्यूटिव अजय देशवाल व मैनेजमेंट हैंड स्नेहा निओग का दावा है कि विद्यार्थी यदि उनके मार्गदर्शन में काम सीखेगा तो रोजगार के 100 फीसदी चांस हैं। उनका संस्थान डिप्लोमा और पोस्ट ग्रेजुएशन स्तर के कोर्स करवाता है, जिसको करने के बाद विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। कोर्स पूरा करने से पहले ही वच्चे रोजगार हासिल कर लेते हैं। कह सकते हैं कि कैपस प्लेसमेंट की सुविधा उनके पास है। एमओयू पर कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. संतोष हुड्डा और स्काईलाइन इंस्टीट्यूट अधिकारी के हस्ताक्षर हुए हैं।

गवर्नमेंट कॉलेज महम के भूगोल विभागाध्यक्ष रोहित कुमार कालखंदे ने बताया कि कॉलेज ने विद्यार्थियों को कुशल व हुनरमंद बनाने के लिए यह समझौता किया है। यह समझौता महम क्षेत्र के युवक युवतियों को



रोजगार दिलाने में मददगार साबित होगा। क्योंकि इस एमओयू के तहत छात्र छात्राओं को 8 तरह की टेक्नोलॉजी का ज्ञान करवाया जाएगा। जिनमें जीआईएस, रिमोट सेसिंग, फोटोग्राफी, लिडार, जीपीएस एंड नेविगेशन, ड्रोन, डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग और वेब जीआईएस एंड पाइथन लैंग्वेज शामिल हैं। भूगोल के क्षेत्र से संबंधित तकनीक सीखकर युवक युवतियां अपना भविष्य संवार सकेंगे। यह ज्ञान न केवल जिओग्राफी के विद्यार्थी ले सकते हैं, बल्कि कला, विज्ञान एवं वाणिज्य के विद्यार्थी भी इसका लाभ उठा सकते हैं। कॉलेज विद्यार्थियों को इंस्टीट्यूट द्वारा न केवल तकनीकी ज्ञान सिखाया जाएगा बल्कि रोजगार दिलाने के लिए मार्गदर्शन किया जाएगा। कॉलेज में सेमीनार, वर्कशॉप और प्रयोगशालाएं लगाकर इस तरह का प्रशिक्षण दिया जाएगा जिसके बाद विद्यार्थी नौकरी हासिल कर सकें।